एन.आई.ओ.एस/शैक्षिक/2021/328/17/हिंदी

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक

अध्याय -17

आत्म एवं मनोवैज्ञानिक प्रक्रम

कार्यपत्रक - 17

1. आत्म और दूसरे के बीच का अंतर शैशवावस्था में ही शुरू हो जाता है। जीवन के विभिन्न चरणों के माध्यम से स्वयं के विकास की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।
2. "आत्म का रूपांतरण होता है और व्यक्ति आत्म संरचना में बहुत से तत्व जुड़ते और निकलते हैं।" दिए गए कथन पर चर्चा करें।
3. अमाद ने महसूस किया कि वह भारी धूम्रपान करने लगा है। लेकिन वह इस आदत को छोड़ना चाहता है। आप अमाद की कैसे मदद कर सकते हैं? समझाओ।
4. किसी एक कौशल के लिए एक आत्म निर्देशात्मक प्रशिक्षण (एस.आई.टी/SIT) डिज़ाइन करें जिसे आप बढ़ाना चाहते हैं।
5. नैतिकता, मनुष्य के रूप में , हमारे विकास का एक प्रमुख स्तंभ है । विभिन्न चरणों के माध्यम से नैतिकता के विकास की व्याख्या कीजिये ।
6. दैनिक जीवन से उदाहरणों का प्रयोग करते हुए कोलबर्ग के नैतिक विकास के चरणों की व्याख्या कीजिये ।
7. कैरल गिलिगन ने नर और मादा बच्चे के पालन-पोषण में परिवार की भूमिका पर टिप्पणी की है। गिलिगन के प्रस्ताव लिखिए और इन प्रस्तावों के बारे में आपकी क्या राय है? अपना मत समझाइए।
8. जीवन के दूसरे वर्ष में, बच्चे एक अहंकारी दृष्टिकोण विकसित करते हैं। अहंकेंद्रित दृष्टिकोण और उसके बाद आने वाले अगले चरणों की व्याख्या कीजिये ।
9. असामाजिक व्यवहारों की सूची बनाइए और इन व्यवहारों को बदलने के उपाय सुझाइए।